

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II- काण्ड 3---उपल्लप्ड (i)

PART II - Section 3-Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

Rio 99]

नई विल्ली, बृहर्स्यतिबार, मार्च 30, 1972/चैत्र 10, 1894

No. 99]

NEW BRILHI, THURSDAY, MARCH 30, 1972/CHAITRA 10, 1894

इस भाग में विक्रम पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Dethi, the 30th March 1972

G.S.R. 219(E).—The following Order made by the President on 24th March 1972 is published for general information:—

The States Reorganization (Governors' Allowances and Privileges) Amendment Order, 1972

In pursuance of the powers conferred by section 73 of the States Reorganisation Act, 1956 (37 of 1956), the President hereby makes the following Order further to amend the States Reorganisation (Governors' Allowances and Privileges) Order, 1957, namely:—

- 1. This Order may be called the States Reorganisation (Governors' Allowances and Privileges) Amendment Order, 1972.
- 2. In the States Reorganisation (Governors' Allowances and Privileges) Order, 1957.—
 - (i) for sub-paragraph (2) of paragraph 8, the following sub-paragraph shall be substituted, namely:—
 - "(2) In addition to the allowances and privileges referred to in paragraph 7, there shall be charged on and paid out of the Consolidated Fund of the State of Mysore to the Governor of Mysore an amount of Rs. 23,080/- during the year 1969-70 and an amount of Rs. 76.920/-during the year 1970-71 for furnishing the newly constructed first floor of the Raj Bhavan Bangalore.";
 - ii) in the Second Schedule, after proviso (3), the following proviso shall be inserted, namely:—
 - "(4) Provided further that for the financial year 1971-72 this Schedule shall, in so far as it relates to the State of Kerala, have effect as if for the

figures "30,000" and "1,67,000" occurring in columns 8 and 9 thereof, the figures "40 000" and "1,77,000" had respectively been substituted"

V V GIRI President

[No. 2/9/72-Pub I K. R PRABHU, Jt Secv

सन्गाप

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 30 मार्च, 197

सा० का० नि० 219(प्र) --- 4 मार्च, 1972 कं। राष्ट्रपति द्वारा जारी किया गया निम्न-लिखित धादेश, सर्वमाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जीतें है ---

राज्य पुनर्गठन (राज्यपालो के भत्ते श्रीर विशेषाधिकार) मशोधन श्रादेश, 1972

राष्ट्रपति, राज्य पुनर्गठन म्रधि यम, 1956 (1956 का 37) की धारा 73 द्वारा प्रदत्त शक्तियो के भ्रनसरण में, ट्राज्य पुनर्गठन (राज्यकालो के भत्ते भीर विशेषाधिकार) भ्रादेण, 1957 में भीर श्रागे सशोधन करने के लिए निम्नलिखित म्रादेश एतद्वारा करने हैं, भ्रष्टीत् —

- इस म्रादेश का नाम राज्य पुनर्गठन (राज्यपालो के भत्ते म्रौर विशेषाधिकार), संशोधन म्रादेश, 1972 होगा ।
- 2 राज्य पुनर्गटन (राज्यपालो के भत्ते ग्रौर विशेषाधिकार) ग्रादेश, 1957 मे ---
- (i) पैरा 8 के उप-पैरा (2) के स्थान पर, निम्निलिखित उप-पैरा प्रतिस्थापित किया जा गा, श्रर्थात् ---
 - "(2) पैरा 7 में निविष्ट भत्तो और विशेषाधिकारों के श्रतिरिक्त बगलौर के राजभवन की नई बनाई गई प्रथम मजिल को सुसज्जित करने के लिए 1969--70 वर्ष के दौरान 23,080/- रू० की रकमें और 1970-71 वर्ष के दौरान 76,920/- रू० की रकमें मैसूर राज्य की समिकित निधि पर भारित की जाएगी श्रौर उसमें में मैसूर के राज्यपाल, को सबस की जाएगी '
- (ii) द्वितीय श्रनुसूची मे, परन्तुक (3) के पश्चान्, निम्नलिखित श्रत स्थापित किया । श्रा गा श्रथिन ---
 - "(4) परन्तु ग्रौर भी कि वित्तीय वर्ष 1971-72 के लिए इस ग्रनुसूची का, जहां तक वह केरल राज्य से संबंधित है, ऐसा प्रभाव ोगा मा। उसके

स्तम्भ 8 स्रोर 9 में स्राने वाले '30,000' स्रोर '1,67,000' के स्रांकों के स्थान पर क्रमशः ' $40\,000$ ' स्रोर '1,77,000' श्रक प्रतिस्थापित किए गए हैं" ।

व० वे० गिरी, राष्ट्रपति ।

[स॰ 2/9/72-पदा-1] के॰ ग्रार० प्रभ, संयुक्त सचिव।

